

प्रेषक,

सचिव,
पुनर्गठन,
उत्तरांचल शासन, देहरादून।

सेवा में,

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तरांचल शासन,
देहरादून।

पुनर्गठन विभाग

दिनांक ०३ जनवरी, २००३

विषय:- राज्य सेवा संवर्गों के अधिकारियों / कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने
की प्रक्रिया / व्यवस्था।

महोदय,

कृपया पुनर्गठन आगुक्त, उत्तरांचल के संख्या ६२७ / १४०४०४० / २४०४
दिनांक ५ मार्च २००१ (छायाप्रति संलग्न) का संज्ञा में रख कर कार्य करना कष्ट करें।

उपरोक्त के सम्बन्ध में यह अवगत करने का निर्देश हुआ है कि राज्य सेवा
संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा उत्तरांचल राज्य के गृह कर्मचारियों के
आवंटन हेतु ३०४० पुनर्गठन अधिनियम २००४ के प्रावधानों के अन्तर्गत केन्द्र सरकार
द्वारा राज्य परामर्शीय समिति का गठन किया गया है। दिनांक २८.४.२००१ को समिति
की प्रथम बैठक में दिये गये निर्देशों के अन्तर्गत कार्य करने का आदेश निम्न प्रक्रिया-नुसार
किया जाना है:-

"उत्तरांचल के समस्त विभाग/एजेंसी के द्वारा ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को
चिन्हित करके उनकी संवर्गवार सूची/सूची संलग्न प्रारूप में बनाकर न
सत्यापित करके अपने प्रशासनिक विभाग को भेजने की जाएगी। सम्बन्धित प्रशासनिक
विभाग के द्वारा उक्त सूची का परीक्षण करने के उपरान्त पुनर्गठन आगुक्त, उत्तरांचल
शासन, लखनऊ को इस संस्तुति के साथ भेजने की जाएगी। सूची के सम्बन्धित
कार्मिकों को राज्य परामर्शीय समिति के द्वारा उत्तरांचल से राज्य के लिए कार्यमुक्त

करने हेतु निर्देशित किया जाय। पुनर्गठन आयुक्त,उत्तरांचल शासन,लखनऊ के द्वारा सदस्य सचिव-राज्य परामर्शीय समिति,जिनमे समीचे के द्वारा उत्तरांचल एवं उ०प्र० में तैनात कर्मियों को अवमुक्त करने हेतु आवश्यक प्रस्ताव भेजेगी सूची परसूहा करने अवमुक्त करने का अनुरोध किया जायेगा। राज्य समीचे रा०प०रा० के द्वारा पुनर्गठन आयुक्त,उत्तरांचल शासन से परामर्श करके अवमुक्त करने हेतु समुचित निर्देश समीचे की ओर से जारी किये जायेंगे जिसे पुनर्गठन आयुक्त,उत्तरांचल शासन के माध्यम से उत्तरांचल के विभागों को अनुपालन करने के लिये भेजे जायेंगे।

अतः अनुरोध है कि उ०प्र० विकल्पकारी कर्मियों एवं कर्मचारियों को अवकाश प्रक्रिया एवं व्यवस्था के अनुसूच्य कार्यमुक्त करने से सम्बन्धित प्रस्तावों को पुनर्गठन आयुक्त,उत्तरांचल शासन,लखनऊ जिसका कार्य वर्तमान में श्रीमती हेमलता-ढौडियाल,अपर पुनर्गठन आयुक्त द्वारा देखा जा रहा है,प्रेषित करने का कष्ट करें ताकि तदनुसार कर्मियों को कार्यमुक्त करने हेतु रा०प०रा० समीचे से आदेश पारित कराये जा सकें। उपर के अतिरिक्त यह भी अनुरोध करना है कि जिन विभागों द्वारा उत्तरांचल राज्य में कार्यरत उ०प्र० विकल्पकारी कर्मियों को उ०प्र० राज्य हेतु कार्यमुक्त करने सम्बन्धी प्रस्ताव पर रा०प०रा० से अनुमति/समिति प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय को प्रेषित किया गया है,में उल्लिखित नवीकरण को बिना पुनर्गठन आयुक्त या कार्यालय की सहमति के एकतरफा उ०प्र० राज्य हेतु कार्यमुक्त न किया जाय। इस हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या-अ/पुनर्गठन/बि.का.अ/४५ए/२००२,दिनांक २०दिसम्बर,२००२ द्वारा पूर्व में भी लिखा गया है। यह अनुरोध है कि अवकाश प्रदान कड़ाई से सुनिश्चित करार।

सचिव



(एन. एस. नपलन्याल)
सचिव,पुनर्गठन।